

Sl. No. of Ques. Paper : 5136 G
Unique Paper Code : 213157
Name of Paper : Mastering Sanskrit Language and Literature – I
Name of Course : B.A. (Prog.) Sanskrit Language
Semester : I
Duration : 3 hours
Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer all questions.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नीचे दिये गए प्रत्येक भाग में से किन्हीं तीन रूपों की निर्दिष्ट विभक्ति व वचन लिखिए:

Write the correct form in any *three* words from each section as directed below:

- (क) (i) रमा — तृतीया विभक्ति, एकवचन
(ii) गुरु — चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
(iii) मति — तृतीया विभक्ति, एकवचन
(iv) वारि — चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
(v) गृह — षष्ठी विभक्ति, द्विवचन।

3

- (ख) (i) इदम् — प्रथमा विभक्ति, बहुवचन
(ii) युष्मद् — षष्ठी विभक्ति, एकवचन
(iii) किम् — पंचमी विभक्ति, एकवचन
(iv) सर्व — तृतीया विभक्ति, एकवचन
(v) अष्मद् — सप्तमी विभक्ति, एकवचन।

3

(ग) निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से किन्हीं दो शब्दों की विभक्ति एवं वचन बताइए:

Identify the case and number of any *two* words from each section given below:

- (i) नद्यौ, रमाम्, जगतः, गवि 2
(ii) सर्वेषाम्, कान्, मम, ये । 2

2. (क) अधोलिखित में से किन्हीं दो धातुओं के निर्दिष्ट लकारों के रूप लिखिए:

Write the forms of any *two* of the following in the लकार:

- (i) अस् — लङ् लकार, प्रथम पुरुष
(ii) पठ् — लोट् लकार, उत्तम पुरुष
(iii) सेव् — लृट् लकार, प्रथम पुरुष
(iv) भू — लृट् लकार, उत्तम पुरुष
(v) दिव् — लङ् लकार, प्रथम पुरुष । 6

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो तिङन्त पदों में धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए:

Write the लकार, पुरुष and वचन of any *two* of the following verbs:

आसन्, भविष्यथ, पचेत्, भव, हनाव, क्रीणीतः 4

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन संख्यावाची शब्दों का निर्दिष्ट विभक्ति में रूप लिखिए:

Write the correct forms in any *three* of the following numerals in the said case ending:

- (i) चतुर् — द्वितीया विभक्ति
(ii) द्वि (स्त्रीलिङ्ग) — प्रथमा विभक्ति
(iii) त्रि (स्त्री) — द्वितीया विभक्ति
(iv) सप्त — तृतीया विभक्ति
(v) अष्टन् — सप्तमी विभक्ति । 3

(ख) निम्नलिखित संख्याओं में से किन्हीं दो को संस्कृत में लिखिए:

Write Sanskrit words for any *two* of the following numerals:

9, 29, 37, 50, 70 2

4. नीचे लिखे गये भाग (i) एवं (ii) में से दो-दो तथा भाग (iii) में से एक शब्द को चुनकर उनका संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

Make sentences in Sanskrit choosing *two* words each from sections (i) and (ii) and *one* word from section (iii):

- (i) रमा, पितृ, भगवत्, गृह, हरि 4
(ii) पठ्, भू, क्री, पच्, अस् 4
(iii) त्रि, सप्त, एकादश, विंशति । 2

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक पद्य का अनुवाद कीजिए:

Translate any *one* of the following verses:

- (i) श्रुतो हितोपदेशोऽयं पाटवं संस्कृतोक्तिषु ।
वाचां सर्वत्र वैचित्र्यं नीतिविद्यां ददाति च ।।
- (ii) सर्वद्रव्येषु विद्यैव द्रव्यमाहुरनुत्तमम् ।
अहार्यत्वादनर्ध्यत्वादक्षयत्वाच्च सर्वदा ।।
- (iii) यस्य कस्य प्रसूतोऽपि गुणवान्पूज्यते नरः ।
धनुर्वशविशुद्धोऽपि निर्गुणः किं करिष्यति ।।

3

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की व्याख्या कीजिए:

Explain any *one* of the following verses:

- (i) पुण्यतीर्थे कृतं येन तपः क्वाप्यतिदुष्करम् ।
तस्य पुत्रो भवेद्वश्यः समृद्धो धार्मिकः सुधीः ।।
- (ii) विद्या शस्त्रस्य शास्त्रस्य द्वे विद्ये प्रतिपत्तये ।
आद्या हास्याय वृद्धत्वं द्वितीयाद्रियते सदा ।
- (iii) अनभ्यासे विषं विद्या अजीर्णे भोजनं विषम् ।
विषं सभा दरिद्रस्य वृद्धस्य तरुणी विषम् ।।

5

(ग) हितोपदेश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए:

Answer the following question in short on the basis of Hitopadesa:

हितोपदेश के आधार पर राजा सुदर्शन की चिंता का क्या कारण है? टिप्पणी कीजिए।

On the basis of Hitopadesa what is the worry of king Sudarsana. Comment.

अथवा (Or)

विद्या के महत्त्व के विषय में बताइए।

Tell about the significance of knowledge.

4

6. (क) निम्नलिखित में से किसी एक पद्य का अनुवाद कीजिए:

Translate any *one* of the following verses:

- (i) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः ।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ।
- (ii) त्यागाय संभृतार्थानां सत्याय मित भाषिणाम्
यशसे विजिगीषूणां प्रजायै गृहमेधिनाम् ।।
- (iii) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः ।
गुणा गुणानुबन्धितवात्तस्य सप्रसवा इव ।।

3

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की व्याख्या कीजिए:

Explain any *one* of the following verses:

(i) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये ।

जगतः पितरौ वन्दे पार्वती परमेश्वरौ ।।

(ii) तं संतः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः ।

हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा ।।

(iii) रेखामात्रमपि क्षुण्णादामनोर्वर्त्मनः परम् ।

न व्यतीयुः प्रजास्तस्य नियन्तुर्नेमिवृत्तयः ।।

3

(ग) रघुवंश के अनुसार राजा दिलीप के गुणों का वर्णन कीजिए ।

According to Raghuvansa define the characteristics of king Dilip.

अथवा (Or)

‘उपमा कालिदासस्य’ पर लघु टिप्पणी लिखिए ।

Write a short note on ‘उपमा कालिदासस्य’.

4

7. (क) निम्नलिखित गद्यांश का अनुवाद कीजिए:

Translate the following paragraph:

तात चन्द्रापीड ! विदितवेदितव्यस्याधीत-सर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति । केवलञ्च निःसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् ।

अथवा (Or)

यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्र-जल-प्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः । अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवित यूनां दृष्टिः ।

4

(ख) निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

Explain the following with reference to the context:

गुरुवचनम् अमलपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्या । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरमुप-जनयति ।

अथवा (Or)

न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते । न कुलक्रममनुवर्तते । न शीलं पश्यति । न वैदग्ध्यं गणयति । न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरुध्यते । न त्यागमाद्रियते । न विशेषज्ञतां विचारयति । नाचारं पालयति । गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति ।

(ग) शुकनासोपदेश का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

6

Write the abstract of Sukanasopadeśa in your own words.

अथवा (Or)

बाणभट्ट की काव्यशैली के विषय में शुकनासोपदेश के संदर्भ में लिखिए ।

Write on the poetic style of Bāna in the context of Suktanasopadeśa.

8